

आज बुकिंग, कल हैंडओवर

अब हर महीने रेंट बढ़ेगी !



अजमेर रोड़, जयपुर
बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट



कोठी

₹ 4700/ Sq Ft
से शुरू

वाक-अप अपार्टमेंट

₹ 4000/ Sq Ft
से शुरू

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.20 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000



विचार बिन्दु

दोष निकालना सुगम है, उसे अच्छा करना कठिन। –प्लूटार्क

सुखायु और हितायु का वैज्ञानिक प्रमाण-आधार

आयुर्वेद में दीर्घायु का अर्थ सुखकारी व हितकारी आयु है, सिर्फ लम्बा जीना नहीं। दीर्घायु का तात्पर्य उस आरोग्य से है जिसके रहते हम जीवन में वह सब प्राप्त कर पाते हैं, जो प्राप्त करना चाहते हैं। जिस विद्या में सुखकारी आयु और हितकारी आयु तथा दुःखकारी और अहितकारी आयु का विचार हो तथा इन सबके उचित मानदण्डों का अध्ययन हो वह आयुर्वेद कहलाता है। स्वास्थ्य–रक्षण के द्वारा निरोगी बने रहना उपयोगी है, क्योंकि आरोग्य के बिना धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष कुछ नहीं मिल सकता। यदि व्यक्ति स्वस्थ नहीं है या बीमारियों को रोक नहीं पाये, तो ना तो वह अपनी मूल प्रकृति के अनुसार कुछ धारण कर सकता है, ना ही धन कमा सकता है, ना ही खाने–पीने, सोने या जीवन का कोई आनन्द ले सकता है, और ना ही शक्तिपूर्वक संसार से विदा हो सकता है। अतः भौतिकतावादी युग में भी स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

आयुर्वेद के 8 अंगों में काय–चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, शालाक्य, भूतविद्या (मनोचिकित्सा), कौमारभृत्य, अगदतंत्र, रसायन तथा वाजीकरण है। आयुर्वेद के दो मूल उद्देश्यों में प्रथम स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा है और दूसरा आतुर या बीमार के विकारों का प्रशमन या बीमारियों को चिकित्सा है। यहाँ स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के संदर्भ में कुछ मूल सिद्धान्त, दर्शन या विवेचन हैं। इस चर्चा का महत्व यह है कि संहिताओं, वैज्ञानिक अध्ययनों, और अनुभवजन्य ज्ञान से प्राप्त प्रमाण हमें इस बात से आश्चस्त करने के लिये उपयोगी रहेंगे कि वर्तमान जनजीवन को स्वस्थ रखने के लिये संहिताओं, साईंस, तथा अनुभवजन्य–ज्ञान में प्रमाण–आधार सुदृढ़ है।

जहाँ तक सिद्धान्तों की समताता का प्रश्न है, आयुर्वेद में स्वास्थ्य–रक्षण एवं चिकित्सा से जुड़े मूल सिद्धान्तों और निर्देशों की संख्या बहुत अधिक है। तर्भाषि, कुछ सिद्धान्त और निर्देश जो स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के संदर्भ में प्रत्यक्ष रूप से लागू होते हैं, उनमें से कुछ प्रमुख हैं:– 1. सामान्य–विशेष, 2. गुण–कर्म, 3, त्रिदंड, 4. त्रिविध–हेतु, 5. त्रिदोष, 6. षड्स, 7. पंचकर्म, 8. आहार मात्रा, 9. हिताहितसंजननक्रम, 10. आदान–विशर्ग, 11. स्वस्थवृत्त, 12–धातुणीय–अधातुणीय वेग, 13. सद्ग्त, 14. अन्नपान–विधि, 15. धातु–पोषण, 16. आहार विधिविशेषाधयतन, 17. आहार विधिविधान, 18. त्रिविध कुक्षीय, 19. रसायन, 20. जनपदोद्देश आदि प्रमुख हैं। वस्तुतः इनमें से प्रत्येक के अंतर्गत, विचार–विमर्श में दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या सहित, अनेक विस्तृत विषय समाहित हैं जिन पर विस्तृत चर्चा आगे यथासमय होगी।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि आयुर्वेद की संहिताओं में उपरोक्त समस्त सिद्धान्तों का वर्णन तथा प्रयोग में लाये जाने की विधियाँ और उनकी उपयोगिता काविवेचन उपलब्ध है, परंतु आज समकालीन वैज्ञानिक युग में यह मानने का प्रमाण क्या है कि उक्त सलाह विज्ञान–सम्मत ही है। इस प्रश्न का उत्तर कई स्रोतों से दिया जा सकता है, जिनमें देश–विदेश के आयुर्वेदाचार्यों द्वारा की गई शोध से प्राप्त प्रमाण, आयुर्वेद का संदर्भ दिये बिना भी समान विषयों में विश्वभर में हुई शोध के निष्कर्षों का प्रमाण, और आयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान शामिल है।

प्राचीन ग्रंथों के विपुल भण्डार की उपलब्धता के बावजूद आज हमें आधुनिक विज्ञान की ओर देखने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। दरअसल, वर्ष 2010 के अनुमान बताते हैं कि लगभग 15 लाख शोध–पत्र प्रति वर्ष विश्व की महत्वपूर्ण शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रहे थे। सभी प्रकार के जर्नलस को लें तो मैक्स प्लैंक सोसायटी और स्विस् फेडरल इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ज्यूरिच में कार्यरत वैज्ञानिक लुत्जबर्नमान के अनुमान बताते हैं कि ज्ञान में वृद्धि की दर इतनी है कि अब विश्व का साइंटिफिक आउटपुट हर 9 साल में दोगुना हो रहा है। वर्ष 1600 के मध्य से वर्ष 2012 तक ज्ञान के उत्पादन को तीन चरणों में देखा जा सकता है। प्रत्येक चरण में पिछले चरण की तुलना में ज्ञान उत्पादन में तीन गुना वृद्धि पायी गयी है। प्रथम चरण, 16वीं शताब्दी के मध्य से 18वीं शताब्दी के मध्य तक, ज्ञान उत्पादन में वृद्धि की दर लगभग एक प्रतिशत थी। उसके बाद दो विश्वयुद्धों के मध्यवर्ती काल में 2 से 3 प्रतिशत, तथा अंतिम विश्वयुद्ध के बाद से लेकर वर्ष 2012 तक यह वृद्धि दर 8 से 9 प्रतिशत रही।

आज विश्व के अनेक डाटाबेस जैसे स्कोपस, वेब ऑफ नॉलेज और गूगल स्कॉलर आदि में सभी विषयों के कुल 4 से 5 करोड़ शोध पत्रों का भण्डार है। आयुर्वेद में भी नये ज्ञान का उत्पादन हो रहा हैवर्ष 1923 से 2022 के दौरान प्रकाशित कुल 46,616 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है। इनमें से 12,906 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केंद्रित हैं। पिछले दो दशकों के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण–आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जैमोमिक्स, समटा–पद्धति या होल–सिस्टम क्लिनिकल ट्रायल्स आदि में उपयोगी कार्य हुआ है।

यहाँ कुछ उदाहरण उपयोगी होंगे। स्कोपस डेटाबेस, जो शोध–पत्रिकाओं में प्रकाशित उच्च कोटि के शोधपत्रों का विश्व में सबसे बड़े डेटाबेस में से एक है, में अकेले शहद पर ही 250 से अधिक क्वीनिकल ट्रायल्स सहित विभिन्न पहलुओं पर 38,000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। शहद पर आयुर्वेद का कथन मधु श्रेष्मपतिप्रशमनानाम् (च.सू. 25.40) को देखने पर ज्ञात होता है कि मूलतः आयुर्वेद के इस द्रव्य पर आयुर्वेद के सन्दर्भ सहित 122शोधपत्र हैं, जबकि विश्व भर में शहद पर 38,000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इनमें से 2900 से अधिक शोधपत्र शहद के औषधीय गुणों पर, व 8,000 से अधिक भोजन के रूप में शहद की उपयोगिता सिद्ध करते हैं।

एक मेटा-एनलिसिस बिलकुल साफ़ कर देती है कि व्यायाम करना आवश्यक है भले ही तीव्रता कम या ज्यादा कुछ भी हो। रोचक बात यह है कि आयुर्वेद व्यायाम की तीव्रता की बात नहीं करता बल्कि व्यायाम की अनिवार्यता की बात करता है और बल के आधे तक प्रतिदिन व्यायाम करने की सलाह देता है। आयुर्वेद चलने (चंद्रमण) की भी सलाह देता है किन्तु चंद्रमण ऐसा हो जो अति-पीड़ादायक नहीं होना चाहिये।

हिपेटोप्रोटोक्टिव, कार्डियोप्रोटैक्टिव, एंटीइन्फ्लेमेटोरी, एंटीडायबिटीज, एवं इम्यूनोमोड्युलेटरी पाया है।

वर्ष 2016 में विश्व–प्रसिद्ध शोध पत्रिका लैंसेट में 10 लाख से अधिक लोगों के संदर्भ में एकत्र आँकड़ों के आधार पर प्रकाशित एक मेटाएनलिसिस से ज्ञात होता है कि प्रायः कुर्सी में बैठे–बैटे काम करने वाले लोग यदि रोजाना 60 से 75 मिनट व्यायाम करें तो उनके असमय मरने का जोखिम कम हो जाता है। बात यदि मोटापा प्रबंध के सन्दर्भ में की जाये, तो समुचित खापान के साथ ही सप्ताह में कम से कम 150 मिनट का व्यायाम लाभकारी है। मेटा–एनलिसिस के परिणाम स्पष्ट करते हैं कि व्यायाम से प्रसन्नता मिलती है। एक अन्य मेटा–एनलिसिस के परिणाम बताते हैं कि हरियाली और जलाशयों के पास व्यायाम करने को प्रसन्न रखता है। वस्तुतः व्यायाम त्रिदोषशामक है और इसके कारण विश्व में सालाना 3.9 मिलियन मौतें टल जाती हैं। एक अन्य मेटा–एनलिसिस से ज्ञात होता है कि प्राकृतिक वन और उपवन में व्यायाम न केवल मानसिक बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य भी प्रदान करता है। एक मेटा–एनलिसिस बिलकुल साफ़ कर देती है कि व्यायाम करना आवश्यक है भले ही तीव्रता कम या ज्यादा कुछ भी हो। रोचक बात यह है कि आयुर्वेद व्यायाम की तीव्रता का बात नहीं करता बल्कि व्यायाम की अनिवार्यता की बात करता है और बल के आधे तक प्रतिदिन व्यायाम करने की सलाह देता है। आयुर्वेद चलने (चंद्रमण) की भी सलाह देता है किन्तु चंद्रमण ऐसा हो जो अति–पीड़ादायक नहीं होना चाहिये। व्यायाम और चंद्रमण ना तो बलार्थ से अधिक हो और ना ही पीड़ादायक हो, अन्यथा हानिकारक होता है। आयुर्वेद और समकालीन विज्ञान यहाँ एक जैसी सलाह के समीप आते दृष्टिगोचर होते हैं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार, उम्रदराज लोगों में पांच वर्ष तक चले क्लिनिकल ट्रायल में व्यायाम की 'तीव्रता' व 'मृत्यु–दर' के बीच सम्बन्ध नहीं मिला। इसलिये 'तीव्रता' के चक्कर में पड़ने के बजाय अपने बल के आधे तक व्यायाम करते रहिये। समय की बात करें तो 30 मिनट प्रतिदिन से कम व्यायाम नहीं रहना चाहिये। सप्ताह में व्यायाम करते समय अगर 120 मिनट गर्डेन, पार्क या हरियाली वाली जगह में बिताया जाये तो व्यायाम का मानसिक स्वास्थ्य पर घनात्मक प्रभाव और भी बेहतर रहता है।

तीन सूर जो दवाई की आवश्यकता कम कर देते हैं, उनमें कालभोजन, व्यायाम औरसत्वावजय प्रमुख है। कैलोरी व कदम गिाने की सनक आयुर्वेद का विषय नहीं। काल–भोजन और बलार्थ–व्यायाम कीजिये: ऊर्जस्प्रक्रमण नातिनिष्ठानास्ति आयुर्वेदविषयः। समाचरेत्काल भोजनंबलस्यार्थव्यायामश्च। मोटापा की समस्या देखें तो यह गोलियां खाने से नहीं छंटता। आचार्य चरक कहते हैं कि मोटापा छोटने के लिये भोजन की मात्रा घटाने से उत्तम और कुछ नहीं है। आचार्य सुश्रुत कहते हैं इस काम के लिए व्यायाम से बेहतर कुछ नहीं है। दोनों मिलकर तो मोटापा कम कर ही सकते हैं। बात साधारण है: हितकारी भोजन मात्रापूर्वक नियतकाल में दिन में केवल दो बार लीजिए और नित्य व्यायाम कीजिए। बस इस ज्ञान को काम से जोड़ने का पचड़ा है!

यही स्थिति सद्गु्त में समाहित विविध विषयों की है। शोध–पत्रिकाओं में प्रकाशित लगभग 2 लाख शोधपत्र ऐसे हैं जहाँ मंगलकार्य, त्याग, उपहार, हवन, नियम, प्रायश्चित, उपवास, सस्वर पाठ, आध्यात्मिक लाभान, तीर्थाटन, क्षमा, दान आदि विषयों तथा इनका स्वास्थ्य रक्षण एवं रोगमुक्ति के संदर्भ में विश्लेषण है। योग के यम और नियम में भी सद्गु्त के ही विविध विषय समाहित हैं। इन पर 25,000से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या के रूप में समाहित विविध विषयों में पृथक पृथक शोध भी है। इनमें सबसे अधिक वैज्ञानिक शोध भोजन, भोजन द्रव्य, नस्य, पंचकर्म, मुख–स्वास्थ्य, कवल–गंडुष, अप्यंग, मौसमी बीमारियों से बचाव, व्यायाम, पर्सनल–हाइजीन आदि पर उपलब्ध है। सारांश यह है कि भले ही शोध आयुर्वेद का नाम लेकर न की गई हो, लेकिन आहार स्वस्थवृत्त, सद्गु्त, रसायन एवं पंचकर्म आदि में समाहित प्रयोगों एवं परिणामों को आधुनिक शोध के प्रकाश में देखने पर इस बात के निर्विवाद प्रमाण मिलते हैं कि आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा संभव है।

इस सब चर्चा का हमारे लिये महत्व क्या है? मुख्य रूप से संहिताओं, साईंस एवं आयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान निर्विवाद रूप से सिद्ध करता है कि यदि कोई व्यक्ति आज कैसर, डायबिटीज, हृदय रोग, मनोरोग या श्वसन तंत्र जैसी गैर–संचारी बीमारियों से पीडित नहीं है तो वह इन बीमारियों से आगे भी अपने आपको बचाये रख सकता है, बशर्ते आयुर्वेद की सलाह मानकर अपने जीवन में इस ज्ञान का उपयोग करें। हाँ, आयुर्वेद में स्वास्थ्य–रक्षण के सिद्धान्त और उन सिद्धान्तों का क्रियावन्धन योग्य आयुर्वेदाचार्यों की सलाह से ही किया जाना चाहिये ताकि समुचित परिणाम प्राप्त हो सकें। आयुर्वेद में लगभग 300 प्रकार की सलाह केवल सद्गु्त में ही उपलब्ध हैं, और समकालीन वैज्ञानिक शोध में उन्ही विषयों पर 7 लाख से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। शोध में उपलब्ध प्रमाणों के इस संक्षिप्त वर्णन, जो आयुर्वेद के समकालीन वैज्ञानिकता को दर्शित करता है, के बाद आगे यथासमय यहाँ प्रत्येक विषय पर पृथक–पृथक चर्चा तथा उपयोग–योग्य ज्ञान प्रस्तुत किया जाता रहेगा होगा।

–अतिथि सम्पादक, डॉ. दीप नारायण पाण्डेय (इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर) (यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित है।)



सीए अंशुल चित्तौड़ा

केंद्र सरकार का बजट आगामी माह में पेश किया जाने वाला है। जैसे–जैसे भारत विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, आगामी केंद्रीय बजट 2026 से देश के करदाताओं और उद्योगों को भारी उम्मीदें हैं। कराधान एवं कॉर्पोरेट मामलों के विशेषज्ञ सीए अंशुल

चित्तौड़ा अनुसार वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के समक्ष राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखते हुए विकास की गति को तेज करने की दोहरी चुनौती है। यह बजट केवल वित्तीय आंकड़ों का लेखा–जोखा नहीं, बल्कि नए आयकर अधिनियम 2025 के माध्यम से एक पारदर्शी और सुगम कर प्रणाली को नाँव रखने का अवसर है।

1. आयकर अधिनियम 2025 का सुगम क्रियान्वयन: – सीए अंशुल चित्तौड़ा के अनुसार, नए आयकर कानून के लागू होने के साथ ही करदाताओं के लिए सबसे बड़ी ख़रूरत निश्चिन्ता की है। पुरानी टैक्स व्यवस्था अब जटिलताओं और विवादों का कारण बन रही है। ऐसे में सरकार द्वारा पुरानी व्यवस्था के लिए एक सनसेट डेट (अंतिम तिथि) घोषित करना और नई व्यवस्था को अधिक आकर्षक बनाना एक तार्किक कदम

होगा। इससे न केवल मुकदमों में कमी आएगी, बल्कि कर प्रशासन में भी सुगमता होगी।

2. पार्टनरशिप फर्म और एलएलपीएस के लिए कर समानता : –वर्तमान टैक्स ढाँचे में एक बड़ी विसंगति यह है कि जहाँ घरेलू कंपनियों के लिए 15 प्रतिशत से 22 प्रतिशत की रियायती दरें मौजूद हैं, वहीं पार्टनरशिप फर्म और एलएलपी आज भी 30 प्रतिशत की प्लेटे दर से कर दे रहे हैं।

यह असमानता छोटे और मध्यम स्तर के उद्यमियों (एमएसएमइएस) पर भारी वित्तीय बोझ डालती है। बजट 2026 में इन संस्थाओं के लिए भी रियायती कर व्यवस्था की घोषणा होगी चाहिए, ताकि उन्हें कॉर्पोरेट संस्थाओं के समकक्ष लाया जा सके।

3. मैयूफेक्चरिंग और एमएसएमइड को प्रोत्साहन : –मेक इन इंडिया को मजबूती देने के लिए नई मैयूफेक्चरिंग इकाइयों को मिलने

वाली 15 प्रतिशत की रियायती कॉर्पोरेट टैक्स दर की समय सीमा को बढ़ाकर मार्च 2027 करना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, एमएसएमइड की भुगतान से संबंधित प्रावधानों (धारा 43) में उद्योग–वार व्यावहारिक लचीलापन देने की आवश्यकता है, ताकि व्यापारिक चक्र और गुणवत्ता संबंधी विवादों का समाधान सुचारु रूप से हो सके।

4. अनुसंधान (आरएनडी) और एआइ पर विशेष ध्यान: –भारत को वैश्विक एआई हब बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के लिए विशेष टैक्स क्रेडिट या वेटेड डिडक्शन की वापसी होगी चाहिए। नवाचार पर निवेश करने वाली संस्थाओं को प्रोत्साहन देने से न केवल रोजगार बढ़ेगा, बल्कि भारत संरक्षणवाद के दौर में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रहेगा।

5. टीडीएस/टीसीएस और

सीमा शुल्क में सुधार:– वर्तमान में टीडीएस/टीसीएस की जटिल दरें व्यापार की कार्यशील पूँजी को बाधित करती हैं। इसे सरल बनाकर केवल 3 या 4 व्यापक श्रेणियों में सीमित करना चाहिए। साथ ही, सीमा शुल्क में जीएसटी की तर्ज पर सुधार और लंबित विवादों के लिए एक एमनेस्टी योजना व्यापारिक दक्षता को बढ़ाएगी। इससे लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी और घरेलू सामान वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेगा।

निष्कर्ष: –बजट 2026 का मूल मंत्र “न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन” और ‘विश्वास’ होना चाहिए। सीए अंशुल चित्तौड़ा का मानना है कि यदि सरकार इन संरचनात्मक सुधारों को अपनाती है, तो यह न केवल ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस बढ़ाएगा, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था को एक नई गति प्रदान करेगा।

–सीए अंशुल चित्तौड़ा

‘कृष्णा लिम्ब’ और बीकानेर के सपूत डॉ. तपेश माथुर की सेवा–साधना

डॉ. तपेश माथुर, जिन्होंने पशु-पक्षियों की मूक पीड़ा को समझकर उसे केवल महसूस ही नहीं किया, बल्कि विज्ञान की सहायता से उसका समाधान भी प्रस्तुत किया



हेमन्त चंडीदान उज्जवल

समाज में कभी–कभी ऐसे व्यक्तित्व जन्म लेते हैं, जिनके लिए विज्ञान केवल ज्ञान नहीं, बल्कि करुणा

का माध्यम बन जाता है। ऐसे ही एक नाम हैं डॉ. तपेश माथुर, जिन्होंने पशु–पक्षियों की मूक पीड़ा को समझकर उसे केवल महसूस ही नहीं किया, बल्कि विज्ञान की सहायता से उसका समाधान भी प्रस्तुत किया। उनके जीवन और कार्यों का सबसे उज्ज्वल प्रतीक है – ‘कृष्णा लिम्ब’।

‘कृष्णा लिम्ब’ कोई साधारण कुत्रिम अंग नहीं, बल्कि उस संवेदना का प्रतिरूप है, जिसने विकलांग पशुओं को फिर से चलना सिखाया। यह भारत में पशुओं पर किया गया पहला सफल प्रोस्थेटिक प्रयोग माना जाता है। जिन गायों और पालतू पशुओं के लिए जीवन ठहर–सा गया था, उन्हें ‘कृष्णा लिम्ब’ ने नई गति दी, नई आशा दी।

जो चल नहीं सकते थे,



उन्हें फिर राह मिल गई।

डॉ. तपेश माथुर का जन्म 16 जनवरी 1971 को बीकानेर में हुआ। उन्होंने राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर से बी.वी.एस.सी. एवं ए.एच. की उपाधि प्राप्त की। बोते 27 वर्षों से अधिक समय से वे टाामीण एवं शहरी पशु चिकित्सालयों में सेवाएँ देते हुए पशु कल्याण को अपने जीवन का उद्देश्य बनाए हुए हैं। वर्तमान में वे राजस्थान सरकार के पशुपालन निदेशालय में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

परंतु उनका वास्तविक परिचय पदों से नहीं, बल्कि कृष्णा लिम्ब जैसी करुणा–प्रेरित खोजों से बनता है।

डॉ. माथुर ने जब पहली बार एक विकलांग गाय को असहाय अवस्था में देखा, तब उन्होंने यह महसूस किया कि चिकित्सा केवल दवाओं तक सीमित नहीं हो सकती। वहीं से ‘कृष्णा लिम्ब’ का विचार जन्मा–एक ऐसा कुत्रिम अंग जो ग्रामीण परिस्थितियों में भी उपयोगी हो, सस्ता हो, टिकाऊ हो और पशु के शरीर के अनुकूल हो। यह प्रयोग न केवल तकनीकी रूप से सफल रहा, बल्कि मानवीय दृष्टि से क्रांतिकारी सिद्ध हुआ।

यह नवाचार क्षेत्रीय स्तर पर सफल होने के बाद वैज्ञानिक और शैक्षणिक मंचों पर भी सराहा गया। ‘कृष्णा लिम्ब’ आज इस बात का उदाहरण है कि यदि विज्ञान को करुणा की दिशा मिले, तो वह केवल शोध नहीं, बल्कि जीवन रक्षक बन जाता है। **जहाँ शब्द मौन हो जाते हैं, वहीं करुणा उपचार बन जाती है।**

डॉ. तपेश माथुर की सेवा–साधना यहीं समाप्त नहीं होती। उन्होंने यूनिनोटोमी शल्य क्रियाओं में विशेष दक्षता प्राप्त कर गंधीर रूप से बीमार गायों के पेट से प्लास्टिक और अन्य बाहरी पदार्थ निकालने में उल्लेखनीय योगदान दिया। मात्र दो वर्षों में 350 से अधिक सफल ऑपरेशनों के माध्यम से उन्होंने न केवल सैकड़ों पशुओं की जान बचाई, बल्कि उनसे जुड़े अनेक पशुपालक परिवारों की आजीविका को भी सुरक्षित किया।

उनका मानना है कि पशु चिकित्सा केवल इलाज नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ को मजबूत करने का कार्य भी है।



डॉ. माथुर ने राजस्थान राज्य गौ सेवा आयोग में सचिव के रूप में रहते हुए अनेक नवाचारी योजनाओं की शुरुआत की, जिससे आयोग को राष्ट्रीय पहचान और आत्मनिर्भरता मिली। वे राजस्थान सरकार की निःशुल्क पशु औषधि योजना की भी प्रमुख सूत्रधार रहे, जिससे लाखों पशुपालकों को सीधा लाभ पहुँचा।

पशुओं के साथ–साथ पक्षियों के प्रति भी उनकी संवेदना उत्तनी ही गहरी है। वे ‘सेव बड्स’ अभियान के प्रमुख संरक्षक हैं, जो घायल पक्षियों के उपचार, पर्रिंडे लगाने और जन–जागरूकता के माध्यम से सह–अस्तित्व की भावना को मजबूत करता है।

जो बोल नहीं सकते, उनके लिए बोलना ही सच्ची सेवा है।

डॉ. तपेश माथुर के कार्यों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सराहना मिली है। उन्हें भारतीय पशु चिकित्सा शल्य चिकित्सा सोसायटी का स्वर्ण पदक (2014),

एम.आर. पटेल पुरस्कार (2015), वर्ल्ड वेटेरनरी एसोसिएशन का कांस्य पदक (2018–19) तथा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड (2020) सहित अनेक सम्मान प्राप्त हुए।

वर्ष 2024 में राजस्थान राज्य स्तरीय पुरस्कार उन्हें माननीय मुख्यमंत्री के कारकमलों से प्रदान किया गया। वर्ष 2025 में टाइम्स नाउ अमेज़िंग इंडियन अवार्ड से सम्मानित किया जाना उनके नवाचारी और मानवीय कार्यों की राष्ट्रीय स्वीकृति है। वे (भारत सरकार) के प्रथम पशु चिकित्सक सदस्य भी रहे हैं।

करुणा जो पद से बड़ी है डॉ. तपेश माथुर का जीवन यह सिद्ध करता है कि जब विज्ञान को संवेदना का मार्गदर्शन मिले, तब वह केवल तकनीक नहीं रहता–वह जीवन बन जाता है। ‘कृष्णा लिम्ब’ इसी सत्य का जीवंत उदाहरण है।

पद बदलते हैं, पर करुणा नहीं।

–हेमन्त चंडीदान उज्जवल,

वाशिष्ठ लेखक

	मेष धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे।
---	---

	वृष अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।
---	---

	मिथुन परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।
---	---

	कर्क व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेंगी। विवादित मामलों से दूरी मिल सकती है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। परिवार में आपसी सहयोग बना रहेगा।
---	--

	सिंह आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।
---	--

	कन्या घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
---	---

	तुला महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित बातें सफल रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।
---	--

	वृश्चिक आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित खोत से बच प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आज नये–पुराने मित्रों से मनोरंजन होगा।
---	---

	धनु मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।
---	--

	मकर घर–परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
---	--

	कुंभ आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित खोत से बच प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।
---	--

	मीन अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से कलने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में रूचित सफलता मिल सकती है। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।
---	--

मुम्बई में ‘‘रिज़ॉर्ट’’ राजनीति की वापसी

एकनाथ शिंदे ने अपने पार्षदों को ताज होटल में शिफ्ट किया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 जनवरी। मुंबई में स्थानीय बीएमसी चुनावों के बाद अब राजनीतिक जोड़-तोड़ और रस्साकशी शुरू हो गई है। भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल शिंदे गुट की शिवसेना, जिसने 29 सीटें जीती हैं, अब अपनी ताकत दिखा रही है।

एकनाथ शिंदे ने अपने पार्षदों को ताज होटल में ठहरा दिया है और ‘‘रिसॉर्ट पॉलिटेक्स’’ एक बार फिर सक्रिय हो गई है। शिंदे, भाजपा का मेयर बनाने के बदले ‘‘मुँह-माँगी कीमत’’ वसूलना चाहते हैं।

रि कॉर्ड के लिए बता दें कि शिंदे मेयर पद के लिए ढाई-ढाई साल के रोटेशन की मांग कर रहे हैं। हालांकि सूत्रों का कहना है कि भाजपा इस मांग को मानने वाली नहीं है।

लेकिन शिंदे को जो मिलने की संभावना है, वह है स्थायी समिति (स्टैंडिंग कमेटी) की कमान, जो कि मेयर पद के बाद, धन-संपन्न बीएमसी की सबसे ताकतवर समिति मानी जाती है।

आईसीसी के भारतीय अफसर को वीज़ा नहीं दिया बांग्लादेश ने

बांग्लादेश और आईसीसी के बीच टी-20 विश्व कप का विवाद गहराता जा रहा है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -
नई दिल्ली, 17 जनवरी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच चल रही उच्चस्तरीय वार्ताओं का ‘अंतिम दौर’ एक बड़ी लॉजिस्टिक समस्या के साथ शुरू हुआ। प्रस्तावित दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल वीज़ा संबंधी जटिलताओं के कारण आधा रह गया। आईसीसी के भ्रष्टाचार-रोधी एवं सुरक्षा प्रमुख एंड्रयू एफ़ग्रेव 17 जनवरी को अकेले ढाका पहुंचे, तकि आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर बने गतिरोध पर बातचीत की जा सके। वहीं, आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता को समय पर वीज़ा न मिलने के कारण पीछे ही रुकना पड़ा।

इस दौरे को क्रिकेट की अंतर्राष्ट्रीय शासी संस्था की ओर से एक अंतिम प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, ताकि 7 फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट पर मंडरा रहे कूटनीतिक और खेल संबंधी

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

ढाका, 17 जनवरी। बांग्लादेश के ग़ाज़ीपुर ज़िले में शनिवार को एक हिंदू कारोबारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी

- **मृतक लिटन चंद्र घोष की मिठाई की दुकान थी और दुकान पर काम करने वाले लड़के को बचाने पर हमलावरों ने लिटन के सिर पर फावड़ा मार दिया जिससे उसकी मौत हो गई।**

गई। वह अपनी मिठाई की दुकान में काम करने वाले एक नाबालिग कर्मचारी को बचाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है।
मृतक की पहचान 55 वर्षीय लिटन चंद्र घोष उर्फ काली के रूप में हुई है। वह बैशाखी स्वीटटी एंड होटल (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **भाजपा के 88 पार्षद जीते हैं, पर, बीएमसी में बहुमत पार करने के लिए 117 सीटों पर जीतना जरूरी है। अतः शिंदे ग्रुप द्वारा जीती गई 29 सीटें जरूरी हैं, भाजपा को अपना मेयर बनाने के लिए।**
- **इसलिए, शिंदे भाजपा से भारी सौदेबाजी करने के मूड में हैं।**
- **शिंदे का पहला प्रस्ताव है, पहले ढाई साल के लिए उसके नेता को मेयर बनाया चाहिए, जो आधे कार्यकाल के पश्चात मेयर पद छोड़ देगा, भाजपा के लिए।**
- **शिंदे जानते हैं कि इस प्रस्ताव पर भाजपा कभी राजी नहीं होगी। अतः ऐसा माना जा रहा है कि शिंदे को बीएमसी में स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष का पद दिया जाए। यह पद मेयर के बाद सबसे महत्वपूर्ण पद माना बृहनमुम्बई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन में।**
- **शिंदे का यह भी प्रस्ताव है कि यह बाल ठाकरे की विरासत है कि बीएमसी पर शिवसेना का मेयर ही होता है। अतः शिवसेना (शिंदे ग्रुप) को मेयर पद मिलना ही चाहिए।**
- **जैसा कि विदित ही है, कांग्रेस को बीएमसी चुनाव में कुल चार प्रतिशत वोट मिले हैं, इतने कम वोट अब तक कांग्रेस के कभी नहीं मिले हैं। कांग्रेस का असंतुष्ट खेमा यह आरोप लगा रहा है कि इतने कम वोट मिलने का सबसे बड़ा कारण है, मुम्बई के प्रभारी द्वारा कांग्रेस के टिकट बेचना।**

विश्लेषकों का कहना है कि महाराष्ट्र में भाजपा का उभार कई राजनीतिक दलों के गलत फैसलों और सही समय पर सही गठबंधन न करने

का नतीजा है। उनका मानना है कि कांग्रेस को शिवसेना के साथ गठबंधन करना चाहिए था और मुंबई में टिकटों की बिक्री नहीं करनी चाहिए थी, जैसा

कि कांग्रेस के मुंबई प्रभारी ने किया। कांग्रेस को केवल 4 प्रतिशत वोट मिले हैं, जो पार्टी का अब तक का सबसे कम वोट-प्रतिशत है।

इंडिगो पर 22 करोड़ रु. का जुर्माना

नयी दिल्ली, 17 जनवरी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने दिसंबर के पहले सप्ताह में इंडिगो संकट की उड़ानों में व्यवधान की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट के आधार पर उस पर 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है, और एक अधिकारी को कार्यमुक्त करने का निर्देश दिया है। नियामक ने एयरलाइन के मुख्य

- **दिसंबर के पहले सप्ताह में आए संकट के मसले पर डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने यह जुर्माना लगाया और एयरलाइन के सी ई ओ को हटाने का भी निर्देश दिया।**

कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को भी इस मामले में आगाह किया है।

गत 03 दिसंबर से 05 दिसंबर के बीच इंडिगो की 2,507 उड़ानें रद्द रही थीं और 1,852 उड़ानों में देरी हुई थी। हालांकि बड़े पैमाने पर व्यवधान उसके बाद भी जारी रहा था, लेकिन डीजीसीए (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘प.बंगाल में मुम्बई जैसी जीत मिलेगी’

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में कहा कि भारत की जेन ज़ी भाजपा के विकास मॉडल पर भरोसा करती है। उन्होंने हाल ही में मुंबई में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की ऐतिहासिक जीत का हवाला देते हुए भरोसा जताया कि बंगाल के मतदाता भी इस बार भाजपा को चुनेंगे।

मालदा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा

- **प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदा की एक जनसभा में कहा कि पश्चिम बंगाल की युवा पीढ़ी को भाजपा के विकास मॉडल पर भरोसा है।**

कि भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों में रिकॉर्ड जीत हासिल की है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस जीत की पुनरावृत्ति बंगाल में भी होगी।

बंगाल में राज्य विधानसभा चुनाव कुछ महीनों में होने वाले हैं। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान में क्राउन प्रिंस रज़ा पहलवी की वापसी अच्छा संकेत नहीं है भारत के लिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 जनवरी। ईरान के निर्वासित युवराज रज़ा पहलवी, जो सरकार-विरोधी अशांति के बीच अपने पुराने साम्राज्य में संभावित वापसी की कोशिश कर रहे हैं, का कहना है कि उनके नेतृत्व में ‘‘लोकतांत्रिक ईरानी राज्य’’ भारत के साथ घनिष्ठ और सहयोगपूर्ण संबंध स्थापित करना चाहेगा। उन्होंने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक, सभ्यतागत और ऐतिहासिक रिश्तों का हवाला दिया।

वॉशिंगटन में आयोजित एक भीड़भाड़ वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए पहलवी ने कहा कि भारत और ईरान के संबंध बहुत लंबे समय से चले आ रहे हैं और यह रिश्ता आधुनिक कूटनीति से कहीं आगे तक फैला हुआ है। उन्होंने कहा, ‘‘सांस्कृतिक रूप से यह रिश्ता वर्षों पुराना है’’ तथा आधुनिक इतिहास में भी दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध रहे हैं।

हालांकि, ईरान में पहलवी की संभावित वापसी भारत के लिए मिले-जुले संकेत प्रस्तुत करती है। एक ओर, जहाँ इससे प्रौद्योगिकी और आर्थिक सहयोग के नए अवसर खुल सकते हैं, वहीं दूसरी ओर अमेरिका के करीबी

शिंदे सेना को ठाणे में अपने आप में बहुमत मिला है

शिंदे ग्रुप को 70 सीटों पर ठाणे में विजय हासिल हुई है, जबकि, बहुमत पार करने के लिए कुल 66 सीटों पर जीत जरूरी होती है, 131 सदस्यीय ठाणे म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 जनवरी। पूरे महाराष्ट्र के 29 नगर निकायों में अभी मतगणना जारी है, लेकिन 25 वर्षों बाद ठाकरे परिवार की मुंबई की नगर-सत्ता पर पकड़ ढीली पड़ती दिख रही है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला गठबंधन बृहन्मुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) चुनाव में जीत की ओर बढ़ता नज़र आ रहा है।

भाजपा की नज़र मुंबई के मेयर पद पर है। लेकिन, शिवसेना के बिना भाजपा बीएमसी में बहुमत का आंकड़ा नहीं छू सकती। सूत्रों के अनुसार, एकनाथ शिंदे अपनी पार्टी से मेयर बनाए जाने के लिए दबाव बना सकते हैं।

शुक्रवार के अंत तक, भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना देश के सबसे अमीर नगर निकाय, बृहन्मुंबई महानगरपालिका, पर नियंत्रण पाने की

- **ठाणे में शिंदे सेना की इस जीत से भाजपा ने थोड़ी राहत की सांस ली है, क्योंकि, ठाणे में अपने प्रत्याशी को मेयर बनाने के बाद शिंदे अब बीएमसी में भी अपनी पार्टी के आदमी को ही मेयर बनाने पर ज्यादा जोर नहीं देंगे।**

- **और, अभी सार्वजनिक रूप से शिंदे बीएमसी के मेयर पद की जो मांग कर रहे हैं, इसका शायद कारण यह है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को यह ‘‘इम्प्रेशन’’ नहीं देना चाहते कि बिना कुछ संघर्ष किये ही उन्होंने बीएमसी का मेयर पद भाजपा को सौंप दिया।**

स्थिति में दिखीं, जिसे वे ठाकरे परिवार से छीनने जा रही हैं। ठाकरे परिवार 2022 तक लगातार कम से कम 25 वर्षों तक बीएमसी में मेयर पद पर काबिज रहा था।

कुल आंकड़ों पर नज़र डालें तो 227 सीटों वाली बीएमसी में 117 सीटें गठबंधन के खाते में जाती दिख रही हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 114 है, जो देखने में पर्याप्त लगता है, लेकिन कहानी में मोड़ भी आ सकता है।

आधी रात तक भाजपा 88 वाडों में जीत या बढ़त के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। लेकिन उड़ब ठाकरे की शिवसेना के साथ किसी असंभव गठजोड़ को छोड़ देने की स्थिति में, ऐसा कोई परिदृश्य नहीं है, जिसमें भाजपा शिंदे की शिवसेना (जो 29 वाडों में आगे थी) के समर्थन के बिना निगम चला सके।

इस अंकगणित और ‘‘किंगमेकर’’ (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान का राज परिवार अपने पाकिस्तान समर्थक रुख के लिए जाना जाता रहा है

- **रज़ा पहलवी के पिता शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी, 1941 से 1979 तक ईरान की सत्ता पर काबिज़ थे। उन्होंने पाकिस्तान के साथ मजबूत सैन्य, आर्थिक एवं कूटनीतिक संबंध विकसित किए थे तथा 1965 व 1971 के भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान का समर्थन किया था और वे कश्मीर मुद्दे पर भी पाकिस्तान के पक्ष में थे।**

- **युवराज रज़ा पहलवी ने वॉशिंगटन में पत्रकारों से बात करते हुए न केवल लोकतांत्रिक सुधारों की बात कही बल्कि भारत के साथ अच्छे संबंधों का समर्थन किया और कहा, दोनों देशों के सैंकड़ों सालों से नज़दीकी संबंध रहे हैं।**

- **रज़ा पहलवी का आगमन भारत पर मिला जुला प्रभाव डाल सकता है, दोनों देश में तकनीकी व आर्थिक संबंध बेहतर हो सकते हैं, पर, अमेरिका समर्थित व पाकिस्तानी रुझान वाला ईरान भारत की मुश्किलें बढ़ा सकता और चाबहार पोर्ट तक भारत की पहुँच को प्रभावित कर सकता है।**

और पाकिस्तान-समर्थक ईरान का उभरना भारत के लिए जोखिम भी पैदा कर सकता है, खासतौर पर चाबहार

1941 से 1979 तक ईरान के अंतिम शाह थे, के शासनकाल में ईरानी राजशाही के पाकिस्तान के साथ मजबूत सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक संबंध थे। ईरान पाकिस्तान को अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभाव के लिए एक अहम बफर स्टेट मानता था।

शाह ने 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों में खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। उनके शासन में ईरान ने कश्मीर मुद्दे पर भी पाकिस्तान के रुख का जोरदार समर्थन किया और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को आक्रामक उद्घराया। यह रुख 1979 के बाद बनी इस्लामिक रिपब्लिक के अपेक्षाकृत तटस्थ रुख से बिल्कुल अलग था।

हालांकि रज़ा पहलवी लोकतांत्रिक सुधारों और सहयोग का वादा करते हैं, लेकिन उनकी वापसी ईरान को फिर से कश्मीर पर पाकिस्तान-समर्थक रुख की ओर ले जा सकती है।

पहलवी ने कहा कि एक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

26 जनवरी से पहले आतंकी हमले का अलर्ट जारी

नई दिल्ली, 17 जनवरी। गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी) से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ा अलर्ट जारी

- **इन्टेलिजेंस सूत्रों के अनुसार बांग्लादेश तथा खालिस्तानी आतंकी समूह पंजाब के गैंगस्टर्स के सम्पर्क में हैं और कोई बड़ी वारदात को अंजाम देना चाहते हैं। पंजाब के ये गैंगस्टर्स हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश व राजस्थान में सक्रिय हैं।**

किया है। इंटेलिजेंस सूत्रों के मुताबिक, खालिस्तानी आतंकवादी संगठन और (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘एनसीआर का सबसे बड़ा बायोलॉजिकल पार्क अलवर में विकसित किया जाएगा’

दक्षिण अफ्रीका के जिराफ, गिर के बब्बर शेर और सात अलग-अलग नस्लों के टाइगर अब

अलवर में देखने को मिलेंगे : वन मंत्री संजय शर्मा

- अगले एक साल में शहर के नजदीक कटी घाटी क्षेत्र में एनसीआर का सबसे बड़ा बायोलॉजिकल पार्क विकसित किया जाएगा : वन मंत्री**

- ‘केंद्र सरकार से मंजूरी मिली, अब जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा’**

- “एक पेड़ मां के नाम” अभियान के दो वर्ष पूरे होने पर कटी घाटी स्थित नगर वन पहुंचे वन मंत्री**

शर्मा ने कहा कि इस बायोलॉजिकल पार्क में दक्षिण अफ्रीका के जिराफ, गुजरात के गिर क्षेत्र के बब्बर शेर, विभिन्न नस्लों के टाइगर सहित कई अन्य वन्यजीव देखने को मिलेंगे। इससे न केवल पर्यटकों को संख्या बढ़ेगी, बल्कि वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता को भी मजबूती मिलेगी। इसी पहाड़ी पर कुछ दिन पहले कांग्रेस के नेता अरावली बचाने की मांग करते हुए चढ़े थे। उसके बाद अब वन मंत्री भी उसी पहाड़ी पर पहुंचे हैं। अरावली क्षेत्र

को लेकर राजनीतिक बयानबाजी पर पलटवार करते हुए वन मंत्री ने कांग्रेस प्रदेशध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये नेता अरावली बचाने की बात तो करते हैं, लेकिन खुद एक भी पौधा नहीं लगाते। हाल ही में कार्यकर्ताओं के साथ पहाड़ी पर चढ़कर सैकड़ों पौधे तोड़ने का आरोप भी लगाया।

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार अरावली पर्वतमाला के संरक्षण के

लिए लगातार काम कर रही है। उन्हें पांच साल में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। पहले वर्ष में 7 करोड़ और दूसरे वर्ष में 11 करोड़ से अधिक पौधे जनसहयोग से लगाए जा चुके हैं, साथ ही उनके संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वन मंत्री ने भरोसा दिलाया कि डबल इंजन सरकार के कार्यकाल में आने वाले वर्षों में अलवर सहित पूरे प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव संवर्धन और पर्यटन विकास से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट धरातल पर उतरेंगे।

अलवर शहर में कटी घाटी के बगल में बहुत पुराना प्रेम रत्नाकर बांध है। जिसमें 30 साल से अवैध निर्माण जारी है। यहां सैकड़ों मकान बन चुके हैं। बांध के घने भराव क्षेत्र में निर्माण नहीं हुआ है। प्रेम रत्नाकर बांध में हो रहे अवैध निर्माण पर सवाल किया तो वन मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि यहां कोर्ट के आदेश

आए हुए हैं। उसके अनुसार ही पट्टे मिलेंगे। अभी संभवतया पट्टे नहीं मिले हैं, लेकिन हमने जल संरक्षण के लिए आसपास कई बड़े एनिकट बनाए हैं। सरकार लगातार जल संरक्षण पर ध्यान दे रही है। ताकि अलवर शहर के पानी के संकट को दूर किया जा सके।

सरिस्का में राजमाता की तरह नगर वन में टाइगर की प्रतिमा लगी है, जो आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। जिसे देखने के लिए काफी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान लोग टाइगर की प्रतिमा के पास खड़े होकर सेल्फी लेते हुए नजर आए।

वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के राज में टहला में जमीनों की बंदरबंठ की गई। बाद में धांधली पकड़ी गई तो कलेक्टर को हटा दिया गया था। जिससे कांग्रेस की मंशा का पता चलता है। अब यदि आवंटन खारिज करने के बाद जमीनों पर कब्जे होने लगे हैं तो उसकी जांच कराएंगे।

मिट्टी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की

कोटय़तली, (निसं)। निकटवर्ती पनियाला थाना पुलिस ने बालू मिट्टी खनन कर ट्रैक्टर–ट्रॉलियों में भरकर परिवहन करने पर कार्यवाही करते हुये बालू मिट्टी से भरी दो ट्रैक्टर–ट्रॉली जब्त की।

जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिस्नोई ने बताया कि उच्चाधिकारियों द्वारा अवैध खनन के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत एएसपी नाजिम अली के सुपरविजन व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के निदेशन में थानाधिकारी रणवीर सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन कर शुक्रवार 16 जनवरी को रिवाला धाम के पास तन मलपुरा से दो मिट्टी से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉलियों को कागजात के अभाव में धारा 207 एमवी एक्ट में जब्त किया गया। उल्लेखनीय है किगत 16 जनवरी को हैड कानि. ओमप्रकाश ने मय जाब्ता अवैध खनन के विरुद्ध चैकिंग के दौरान रिवाला धाम के पास तन मलपुरा से दो मिट्टी से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉलियों को परिहवन करते हुये कागजात के अभाव में जब्त की, जिनके चालान न्यायालय में प्रेषित किये जायेंगे।

उदयपुर में हाइवे पर दो कारों की भिड़ंत में चार जनों की मौत, छह घायल

उदयपुर के सविना थाना क्षैत्र के नैला तालाब के समीप हाइवे पर हुआ हादसा

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना क्षेत्र नैला तालाब के समीप हाइवे पर दो कारों की आपस में भिड़ंत हो गई। हादसे में एक कार में सवार चार युवकों की मौत हो गई तथा दो युवक घायल हो गए, जबकि दूसरी कार में सवार चार जने घायल हो गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सवेरे शहर के नैला तालाब होते हुए हाइवे की तरफ जा रही कार की प्रतापनगर से अहमदाबाद की तरफ जा रही कार से भिड़ंत हो गई। एएसआई प्रीतमसिंह, हेड कांस्टेबल कृष्णलाल मय टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों कारों से सभी घायलों पलोदड़ा हाउस निवासी अयान पुत्र अब्दुल

- युवक का जन्मदिन होने से कार में साथियों के साथ शहर से हाइवे की तरफ चाय पीने जा रहे थे जहां बीच रास्ते हादसा हो गया**

रहमान, गुलाम पुत्र गनी मो. नीजाम, वसीम पुत्र युसुफ निवासी खैरादीवाड़ा माणक चौक, मो. कैफ पुत्र मो. निजाम निवासी मुशींद नगर, आबिद कुरैशी पुत्र अब्दुल नदीम कुरैशी निवासी बरकत कॉलोनी, शेर मो. पुत्र फरीयाद खान निवासी बरकत कॉलोनी तथा दूसरी कार

में सवार जयवीर पुत्र राजवीर जाट निवासी रायगढ़ चूरू, महिपाल पुत्र बद्रीराम, राजबाला पत्नी महिपाल तथा राजेश पुत्र महिपाल को बाहर निकाल उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मो. आबिद, शेर मो., गुलाम, मो. अयान को मृत घोषित कर दिया तथा सभी छह घायलों को उपचार के लिए भर्ती करवाया। जिनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार सवेरे मो. अयान का जन्मदिन होने से वह कार में अपने साथियों के साथ शहर से हाइवे की तरफ चाय पीने जा रहा था, जहां बीच रास्ते हादसा हो गया। पुलिस ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिये तथा मामले की जांच में जुटी है।

सड़क हादसे में महिला की मौत**: उदयपुर शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र देवारी घाटावाली माता के समीप ट्रेलर ने बाइक को कुचल दिया। हादसे में महिला की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सायं प्रतापनगर थाना क्षेत्र देवारी घाटावाली माता के सामने कट पर ट्रेलर ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में कारवली गंगला निवासी वर्दीबाई (34) पत्नी खेमराज पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर एएसआई तखतसिंह ने मौके पर पहुंच कर मृतका को एमबी चिकित्सालय मोचरी में रखवा परिजनों को सूचना दी है। जिनके आने पर रविवार को पोस्टमार्टम होगा।**

बिजली चोरी पकड़ने गई विजिलेंस टीम पर हमला, एईएन सहित चार कर्मचारी घायल

अलवर, (निसं)। अलवर के कटूमर में बिजली चोरी पकड़ने गई बिजली विभाग की विजिलेंस टीम पर हमला करने का मामला सामने आया है। कटूमर कस्बे में शनिवार सुबह सात बजे विजिलेंस की टीम पर बिजली चोरी कर रहे परिवार ने लाठी-डंडों और लात-धुंसों से हमला कर दिया। मारपीट में एईएन सहित चार कर्मचारी घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची कटूमर थाना पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां लाइनमैन बच्चू सिंह बच्चू सिंह चौधरी की हालत गंभीर बताई जा रही है। उनकी आंख के पास गंभीर चोट आने से खून बहना बंद नहीं हो रहा था, जिसके चलते प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अलवर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं दूसरी ओर बाकी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।



सूचना पर पहुंची कटूमर थाना पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

बिजली विभाग के कर्मचारी मोनू ने बताया कि शनिवार सुबह करीब सात बजे सूचना मिली थी कि पट्टी रमशान

घाट रास्ते पर स्थित मकान पर दो भाई हब्बू मीणा और झब्बू मीणा पास में जा रहे बिजली के पोल से बिजली चोरी कर

- कटूमर में बिजली चोरी कर रहे परिवार के लोगों ने लाठी-डंडों और लात-धुंसों से टीम से मारपीट की, लाइनमैन की हालत गंभीर**

- बिजली विभाग की टीम की ओर से आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है**

रहे हैं। सूचना पर विजिलेंस की टीम मौके पर पहुंची और बिजली चोरी पकड़ी। इस दौरान आरोपियों और उनके परिजनों को गुस्सा आ गया। आरोप है कि दोनों भाई हब्बू और झब्बू मीणा ने उनके बेटों सहित करीब पांच पुरुषों और तीन महिलाओं ने एक साथ मिलकर विजिलेंस की टीम पर हमला कर दिया। उन्होंने लाठी-डंडों और लात-बूसों से उनकी जमकर मारपीट कर दी। हमले में विजिलेंस एईएन प्रमोद शर्मा, कर्मचारी राजकुमार, नरोत्तम यादव और लाइनमैन बच्चू सिंह चौधरी घायल

हो गए। वहीं बिजली विभाग की टीम की ओर से आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। फिलहाल पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। लाइनमैन बच्चू सिंह के परिजन भूपेश शर्मा ने बताया कि उनके हाथ, पैर और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं और आंख के पास से लगातार खून बह रहा था, जिनको कटूमर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेज दिया गया, जहां इलाज जारी है।

भवानीमंडी में अवैध रूप से ड्रग्स बनाने की फैक्टरी पर छापा

भवानीमंडी, (निसं)। सर्किल के मिश्रोली थाना क्षेत्र में चल रही अवैध तरिके से ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री पर पुलिस ने छापामार कार्यवाही कर भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बनाने की भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ एमडीएम निर्माण की कच्ची सामग्री एवं व्यापक मात्रा में अवैध मादक पदार्थ एमडीएम जप्त कर परिवहन में प्रयुक्त वाहनों को जब्त किया।

जानकारी के अनुसार अवैध मादक पदार्थ एमडीएम के निर्माण कारखाना पर पुलिस ने कार्यवाही में लगभग दो किलो निर्मित एमडीएम के अलावा 130 लीटर केमिकल सहित ड्रग्स जब्त की है। बरामद सामानों की अनुमानित कीमत 25 करोड़ बताई जा

हथियार बरामदगी मामले में दो कांस्टेबल गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला डीएसटी पश्चिम ने कुड़ी स्थित सेक्टर 8 में शुक्रवार रात एक युवक से एक पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस जब्त किया था। उससे पूछताछ के बाद पुलिस लाइन में पदस्थापित एक कांस्टेबल सहित दो और युवकों को भी हिरासत में लिया गया। पिस्तौल सप्लाई में कांस्टेबल की भी संदिग्ध भूमिका आई है। पुलिस ने आज दो कांस्टेबल रामप्रकाश और भोमसिंह को गिरफ्तार कर लिया। अवैध हथियार प्रकरण में तीन लोग अब गिरफ्तार बताए गए हैं। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार की रात में कुड़ी भगतसांनी हाउसिंग बोर्ड में एक युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा था। इस सूचना पर डीएसटी पश्चिम

को सक्रिय किया गया। एसआई महेन्द्रसिंह की अगुवाई में पुलिस ने तलाश के बाद कैबीएचबी सेक्टर आठ के पास अशंलान खिलजी को पकड़ा। तलाशी लेने पर एक पिस्तौल व एक जिंदा कारतूस मिला। पूछताछ में सामने आया कि वह भोमसिंह से यह पिस्तौल लाया था। पुलिस ने तलाश के बाद उसे भी हिरासत में लिया गया। उससे पूछताछ में पुलिस लाइन में पदस्थापित एक कांस्टेबल को भूमिका सामने आई। आरोप है कि पिस्टल दिलाने में कांस्टेबल ने मध्यस्थता की थी। इस पर कांस्टेबल को भी हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि आज दो कांस्टेबल भोमसिंह एवं लाइन में तैनात रामप्रकाश को पकड़ा गया है।

10 लाख रुपए का एमडीएमए पाउडर जब्त , एक गिरफ्तार

कपासन, (निसं)। कपासन पुलिस ने ऑपरेशन विष हरण के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 16.75 ग्राम एमडीएमए मौली पाउडर जब्त किया। इसकी अनुमानित कीमत 10 लाख रुपए बताई जा रही है। इस मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक बाल अपचारी को भी डिटेल किया गया है।

पुलिस थाना कपासन की टीम ने बीती रात शनि महाराज से कपासन आने वाले मार्ग पर नाकाबंदी की थी। इसी

दौरान एक मोटरसाइकिल को रोका गया, जिस पर मण्डफिया गांव निवासी आवेश मोहम्मद (23) पुत्र इकबाल मोहम्मद और एक बाल अपचारी सवार थे। तलाशी के दौरान उनके पास से 16.75 ग्राम अवैध एमडीएमए मौली पाउडर बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर ही पाउडर और मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया।

आवेश मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक उदयपुर रंज गौरव

श्रीवास्तव और जिला पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ मनीष त्रिपाठी द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन विषहरण का हिस्सा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ सरिता सिंह और वृताधिकारी वृत्त कपासन हरजीलाल के सुपरविजन में थानाधिकारी सुनील शर्मा के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में उपनिरीक्षक गोवर्धन सिंह, कॉन्स्टेबल कुंज बिहारी, देवीलाल, सुशील, राजेन्द्र और महेन्द्र सिंह शामिल थे।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार बीएलओ की मौत

किशनगढ़ बास, (निसं)। अलवर–भिवाड़ी हाइवे पर बंबोरा हनुमान मंदिर कट के पास रोडवेज बस की टक्कर लगने से बाइक से ड्यूटी पर मुसाखेड़ा जा रहे चुनावी कार्य में लगे बीएलओ महेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। चार साल पहले पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। महेश के दो बच्चे हैं जिनके ऊपर से अब मां के साथ पिता का साया भी उठ गया है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 9:15 बजे 39 वर्षीय महेश कुमार पुत्र हरिसाद खाती अपनी बीएलओ और एसआईआर ड्यूटी के लिए मोटरसाइकिल से ग्राम मूसाखेड़ा जा रहे थे। जब वे बम्बोरा घाटा हनुमान मंदिर के सामने कट के पास पहुंचे, तभी अलवर की ओर से आ रही रोडवेज बस के चालक ने बस को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए सामने से महेश कुमार की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद महेश कुमार सड़क पर गिर पड़े और बस का टायर उनके



पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

ऊपर चढ़ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को सीएचसी किशनगढ़ बास भिजवाया, जहां पोस्टमार्टम से महेश शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के भाई अशोक कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि यह

हादसा रोडवेज बस चालक की घोर लापरवाही के कारण हुआ है। महेश कुमार के परिवार में 12 वर्षीय बेटी पूर्वी और 6 वर्षीय बेटा रक्षित है। चार वर्ष पूर्व उनकी पत्नी की ही मृत्यु हो चुकी थी। इस हादसे के बाद दोनों बच्चों के सिर के ऊपर से माता-पिता का साया उठ गया है। लोगों ने दोषी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सांवलिया सेठ के भंडार से 10 करोड़ 25 लाख रुपए निकले

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया सेठ मंडफिया के दरबार का विशाल भंडार शनिवार चतुर्दशी को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव व अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं मंदिर की मुख्य

- भंडार से बची राशि की गणना एवं भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल होना बाकी**

निष्पादन अधिकारी प्रभा गौतम की उपस्थिति में खोला गया।

मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि चतुर्दशी को खोले गए भंडार से 10 करोड़ 25 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए। उन्होंने ने बताया कि भंडार से बची राशि की गणना एवं भंडार से निकले सोने चांदी का तोल होना बाकी है। मंदिर कार्यालय में विभिन्न भक्तों द्वारा भेंट किए गए सोने-चांदी का तोल एवं भक्तों द्वारा भेंट रुपयों की गिनती होना भी शेष है।



सांवलिया सेठ मंडफिया के भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस मौके पर मंदिर मंडल की ओर से यात्रियों की सुविधाओं के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गईं। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, रामलाल गुर्जर, हरिराम गाडरी, किशनलाल अहीर, नायब तहसीलदार शिव शंकर

पारीक, लेखाधिकारी राजेंद्र सिंह, मंदिर व संपदा प्रभारी भैरू गिरी गोस्वामी, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, वरिष्ठ सहायक कालू लाल तेली, बिहारी लाल गुर्जर सहित मंदिर के कर्मचारी एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

एसडीएम गरीबों को हक नहीं दिला पाए तो मैं जनवरी का वेतन नहीं लूंगा : कलैक्टर हसीजा

हर गरीब को खाद्य सुरक्षा का गँहू इसी माह मिले, बुजुर्गों-एकल नारियों की पेंशन न रुके, यह हमारा ध्येय : जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा

राजसमंद, (निसं)। प्रशासनिक हल्के में जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा का एक प्रण चर्चा का विषय बना हुआ है। सुशासन का संदेश देते हुए गरीब, बेसहारा और जरूरतमंद परिवारों को समय पर उनका हक दिलाने के लिए जिला कलैक्टर ने स्पष्ट शब्दों में सभी उपखंड अधिकारियों को निर्देश दिए कि पालनहार योजना, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के सभी लंबित प्रकरणों का निस्तारण इसी माह अनिवार्य रूप से किया जाए। निरंतर सभी विकास अधिकारियों, तहसीलदार के माध्यम से समीक्षा की जाए और कोई भी पात्र वंचित न रहे।

जिला कलैक्टर हसीजा ने कहा कि जिन बच्चों के सिर से पिता का साया उठ चुका है, उनका पालनहार सत्यापन 28 जनवरी तक हर हाल में पूरा हो। जो बूढ़, दिव्यांग और निराश्रित पेंशन के लिए तरस रहे हैं,

■ जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा ने कहा कि सभी एसडीएम इस माह गरीबों को उनके अधिकार नहीं दिला पाए तो वे स्वयं जनवरी माह का वेतन नहीं लेंगे

■ मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने राजसमंद कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा को फोन कर कहा कि सरकार की प्रत्येक योजना में राजसमंद की है प्रगति संतोषजनक है

■ मुख्य सचिव ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि वे (जिला कलैक्टर) पालनहार, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के लंबित कार्य भी इस माह कर लेंगे पूर्ण, ऐसे में वेतन रोके जाने की आवश्यकता नहीं है

उनका सत्यापन इसी माह हो और जो गरीब परिवार गेहूँ के इंतजार में हैं, उन्हें एनएफएसए का लाभ इसी माह मिलना चाहिए। जिला कलैक्टर ने दंडात्मक कार्रवाई के बजाय प्रेरणा, उत्साहवर्धन

और मार्गदर्शन के माध्यम से परिणाम लाने का सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सभी एसडीएम इस माह गरीबों को उनके ये अधिकार नहीं दिला पाए, तो वे स्वयं

जनवरी माह का वेतन नहीं लेंगे।

अपने प्रण को व्यवहार में उतारते हुए जिला कलैक्टर ने कलेक्ट्रेट के लेखाधिकारी प्रवीण सिंह को निर्देश दिए कि उनका (कलैक्टर का) जनवरी माह का वेतन बिल तक तब नहीं बनाया जाए, जब तक सभी एसडीएम शत प्रतिशत सत्यापन का प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं कर देंगे।

जिला कलैक्टर के इस संकेप के बाद शनिवार के अवकाश के दिन भी जिले के सभी उपखंड अधिकारी और प्रशासनिक अमला पालनहार, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के लंबित प्रकरणों के निस्तारण में जुट गया। इससे यह उम्मीद जगी है कि इसी माह इन सभी योजनाओं के लक्ष्य पूरे होंगे और पात्र गरीबों को उनका अधिकार मिलेगा।

यह पहल एक ऐसे संवेदनशील और जिम्मेदार अधिकारी का उदाहरण

है, जो अपने पद को नहीं, अपने कर्तव्य और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देता है। राजसमंद में जिला कलैक्टर का यह प्रण प्रशासनिक सेवा में जनकल्याण और नैतिक नेतृत्व की एक प्रेरणादायी मिसाल बनकर सामने आया है।

मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने राजसमंद जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा को फोन कर कहा कि सरकार की प्रत्येक योजना में राजसमंद की है प्रगति संतोषजनक है। उन्हें विश्वास है कि वे (जिला कलैक्टर) पालनहार, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के लंबित कार्य भी इस माह कर लेंगे पूर्ण, ऐसे में वेतन रोके जाने की आवश्यकता नहीं है।

जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा ने कहा कि मुख्य सचिव की सहदयता से हूँ अभिभूत, लक्ष्यों को समय पर पूरा करूँगे।

छीपाबडौद में आठ लाख का 93 किलो डोडा-चूरा जब्त

छीपाबडौद, (निसं)। पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर आठ लाख की कीमत का 93 किलो मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा जब्त किया गया।

पुलिस अधीक्षक बारा अभिषेक अदारुश ने बताया कि जिले में अवैध शराब बिक्री, हथियार एवं मादक पदार्थों की रोकथाम के लिये चलाए जा रहे अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी के निकटतम सुपरविज़ान में ताराचन्द वृताधिकारी वृत्त छावड़ी के निर्देशन में थानाधिकारी दिग्विजय सिंह पुलिस निरीक्षक मय जाब्ता के दीगोद खालसा पहुंचा, जहां पर मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम लाम्बाखेडा निवासी सोनू लोधा तस्करी का काम करता है, जिसने अपने मकान के पास के बाड़े में चारे में कोई संदिग्ध वस्तु छुपा रखी है, जिसमें कोई अवैध वस्तु हो सकती है। मुखबिर की सूचना विश्वसनीय होने से सूचना से हमराही जाब्ता को अवगत करवाकर थानाधिकारी मय जाब्ता रवाना होकर सोनू लोधा के घर के पास पहुंचा सोनू घर पर मौजूद नहीं मिला।

उसके बाद सोनू लोधा के मकान के पास के बाड़े से पहुंचा जहां पर मक्का की कड़ब पड़ी हुई है, कड़ब के नीचे सफेद कट्टे रखे हुये दिखाई



जब्त अफीम डोडा-चूरा को थाने में रखवाया।

दिये, इसके बाद मन थानाधिकारी दिग्विजय सिंह पुलिस निरीक्षक ने उक्त स्थान की तलाशी ली तो मक्का की कड़ब में छिपे हुए कुल सात प्लास्टिक के कट्टे किसी संदिग्ध वस्तु से भरे हुए मिले, जिनके मुँह सिले हुए थे, जिनका मुंह खोलकर देखा तो

प्रत्येक कट्टे में अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा भरा हुआ था। सात प्लास्टिक के कट्टी को कब्जे में लेकर डोडा-चूरा का तोल किया अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा चूरा का वजन मय बारदाना के 93.130 किलोग्राम हुआ, जिसे जब्त किया गया।

प्रदेश में प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल के ट्रांसफर-पोस्टिंग पर रोक

■ राजस्थान हाईकोर्ट ने आदेश में कहा कि असंतोष से बचने के लिए यह कदम जरूरी

■ आदेश वरिष्ठता सूची को लेकर दायर कई रिट याचिकाओं की सुनवाई के दौरान दिया गया

■ सरकार के अनुरोध पर कोर्ट ने सभी मामलों की अगली सुनवाई की तारीख 27 जनवरी तय की

उत्पन्न असंतोष से बचने के लिए यह कदम जरूरी है। हाईकोर्ट ने यह भी याद दिलाया कि पहले जारी अंतरिम आदेशों (10 फरवरी 2025 और 8 अगस्त 2025) में स्पष्ट किया गया था कि सभी पदेन्रतियां और पोस्टिंग अंतिम फैसले के अधीन रहेंगी।

राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि रिज्यू डीपीसी/डीपीसी

की पूरी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इसके बाद कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कार्डसॉलिंग के आधार पर प्रस्तावित तबादले अगली सुनवाई तक लागू नहीं होंगे। राज्य सरकार के अनुरोध पर कोर्ट ने सभी मामलों की अगली सुनवाई की तारीख 27 जनवरी 2026 तय की है।

राजस्थान में 25 हजार से ज्यादा शिक्षा अधिकारी हैं, जिनके प्रमोशन पर

इस आदेश का सीधा असर पड़ेगा। इस आदेश के बाद प्रदेशभर में हो रही प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल की कार्डसॉलिंग पर एक बार रोक लग जाएगी। अब हाईकोर्ट में अगली सुनवाई के बाद ही शिक्षा विभाग प्रमोशन और पोस्टिंग कर सकेंगे। इस आदेश से पिछले दिनों हुए तबादलों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग में अलग अलग विषयों के टीचर्स को प्रिंसिपल के रूप में प्रमोशन मिलता है। इससे प्रमोशन की वरिष्ठता पर असर पड़ता है। इसी कारण बड़ी संख्या में टीचर्स ने हाईकोर्ट में रिट दायर की थी। टीचर्स का कहना है कि एक साथ सभी विषयों का प्रमोशन नहीं होने के कारण वरिष्ठता प्रभावित होती है। ऐसे में हाईकोर्ट ने 9 याचिकाओं पर संयुक्त सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

पारिवारिक विवाद में युवक ने सुसाईड किया

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना इलाके में पारिवारिक विवाद के चलते घर में युवक ने फांसी का फंदा लगाकर सुसाईड कर लिया। जानकारी के अनुसार युवक की पत्नी विवाद की शिकायत करने को लेकर थाने पहुंची तो पीछे से पति ने फांसी का फंदा लगा लिया। नयापुरा थानाधिकरी विनोद कुमार ने बताया कि इलाके के बृजराज कोलानी निवासी महावीर सिंह राजावत की पत्नी पारिवारिक विवाद के चलते शुक्रवार को पति की शिकायत करने थाने आई, जिस पर पुलिसकर्मियों को

महिला के घर भेजा गया, तो महावीर सिंह राजावत (32) फांसी के फंदे पर लटका हुआ था, जिसे उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक मोबाइल ऑपरेटिंग कंपनी में टेक्नीशियन के पद पर था, किसी बात को लेकर दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया था। थानाधिकारी ने बताया कि शनिवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

चार माह से फरार चोर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागड़ा थाना पुलिस ने 4 महीने से फरार एक शातिर चोरी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वारदात के बाद से अपना नाम और ठिकाना बदलकर राजस्थान और गुजरात में भागता फिर रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्त में लेकर चोरी का माल भी बरामद कर लिया है।

रामसागड़ा थानाधिकारी ने बताया कि गिरीश पुत्र प्रेमजी रोट निवासी

रातापानी की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। इसमें बताया कि 12 से 19 सितंबर के बीच उक्त चोर में चोरी की वारदात हुई। घर से सोने-चांदी के जेवर चुराकर ले गए। मामले में पुलिस ने छानबीन करते हुए आरोपी किरीट पुत्र शशीलाल खराडी निवासी नवाघरा गैबी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल कर ली है। वहींजेवर भी जब्त कर लिए हैं।

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग में प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल पदों पर पदेन्रति से जुड़े मामलों में अहम आदेश दिया है। जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने साफ किया कि पदेन्रति के बाद प्रस्तावित तबादले-पोस्टिंग फिलहाल अगले आदेश तक स्थगित रहेंगे। यह आदेश वरिष्ठता सूची को लेकर दायर कई रिट याचिकाओं की सुनवाई के दौरान दिया गया। कोर्ट ने कहा कि ये मामले वर्ष 2023 से लंबित हैं और बार-बार स्थगित मांगे जा रहे हैं। इस बीच विभाग ने पदेन्रत अधिकारियों से वरिष्ठता सूची के आधार पर विकल्प लेकर तबादले करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी, जबकि वही वरिष्ठता सूची अदालत में चुनौती के दायरे में है। ऐसे में संतुलन बनाए रखने और बार-बार तबादलों से

हथियारों के पुर्जे व विस्फोटक सामग्री रखने वाला आरोपी गिरफ्तार भारी मात्रा में बारूद और हथियार बरामद

देवली, (निसं)। जिले की डीएसटी और देवली पुलिस ने देवली स्थित पटवा बाजार में अवैध हथियारों के पुर्जे और विस्फोटक सामग्री रखने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार देवली शहर के पटवा बाजार निवासी राजू लुहार पुत्र नारायण लुहार के चाकू छुरियों को धार करने वाले कारखाने पर डीएसटी और देवली पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए छापा मारा है। इस दौरान टोंक डीएसटी और देवली पुलिस ने यहां पाया कि आरोपी राजू लुहार के कारखाने पर अवैध तरीके से आग्नेयास्त्रों की परम्पत और विस्फोटक पदार्थों और सामग्री की बिक्री खुलेआम की जा रही थी। संयुक्त कार्रवाई में तलाशी के दौरान पुलिस ने दुकान से 21 किलो 670 ठाम विस्फोटक बारूद, 6 लोहे की तलवारें और 3 लाख 8 हजार 470 रुपये के नकदी बरामद की है। इसके अलावा भारी मात्रा में आग्नेयास्त्रों के पुर्जे भी पुलिस को कार्रवाई के दौरान मिले हैं। पुलिस ने पाया कि कारखाने पर बंदूक के लोहे के



पुलिस ने विस्फोटक सामग्री रखने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

घोड़े, मक्खी (एकनाली, दोनाली), बन्दूकों की 860 टोपियां, 34 लोहे की प्लेटें शामिल हैं। पुलिस ने मौके से अवैध हथियारों के काम में प्रयुक्त होने वाले औजार भी जब्त किए हैं।

देवली थाना प्रभारी दौलत राम गुर्जर ने बताया कि कारखाने के मलिक आरोपी राजू लुहार ने इन सामग्रियों के

संबंध में कोई वैध लाइसेंस पेश नहीं कर सका, जिसके बाद उस गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अब इस मामले में आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है कि आरोपी राजू लुहार के द्वारा आखिरकार इतना बारूद और हथियार और बन्दूकों के पुर्जे के कहीं किसे सप्लाई किए जाने थे।

दूसरी मंजिल से गिरकर छात्रा की मौत के मामले में परिजनों ने आरोप लगाये

श्रीगंगानगर, (निसं)। स्कूल की दूसरी मंजिल से गिरकर छात्रा की मौत के मामले में परिजनों ने स्कूल प्रशासन पर आरोप लगाए हैं। पिता ने कहा कि जब हमने छात्रा की तबीयत खराब होने का हवाला देकर परिवार के एक सदस्य को उसके साथ रहने की गुजारिश की तो स्कूल स्टाफ ने मना कर दिया था। स्कूल स्टाफ ने कहा कि हमारा सिस्टम हमारे हिसाब से चलेगा। प्रैक्टिकल नहीं दिया तो भविष्य खराब हो जाएगा। टीसी कटवा कर ले जाने की धमकी भी दी।

मामले को लेकर प्रिंसिपल कमलेश कटारिया ने बताया कि वो हमारी बच्ची, उसका जाना हमारे लिए भी दुखद है। स्कूल हर बच्चा हमारे लिए अपना है। 30 सालों से मैं यहां हूँ ऐसी घटना कभी नहीं हुई। हमने उनको ऊपर अलाउ थी किया था। बायोलाॅजी का प्रैक्टिकल था, सरकारी एग्जामिनर आए थे। पूरे टाइम उसकी मदर और भाई बैठे रहे। शोरी के दरवाजे से वो बाहर बैठकर देख भी रहे थे। एग्जामिनर ने भी कहा

■ पिता ने कहा कि जब हमने छात्रा की तबीयत खराब होने का हवाला देकर परिवार के एक सदस्य को उसके साथ रहने की गुजारिश की तो स्कूल स्टाफ ने मना कर दिया था

■ परिजनों ने स्कूल के प्रिंसिपल कमलेश कटारिया, स्टाफ कृष्ण वर्मा और टीचर किरण के खिलाफ कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज करने की शिकायत दी

था कि बच्ची एकदम ठीक है। पैरेंट्स तीनों प्रैक्टिकल में साथ में रहे हैं। एग्जामिनर ने भी पूछा था कि बेटा तबीयत खराब तो नहीं है। तब बच्ची ने ऐसा कुछ नहीं बताया। वो बच्ची कैसे गिरी, क्या हुआ, मुझे कुछ पता नहीं है। मैं पहुंची तब तक उसे अस्पताल ले जाया जा चुका था। हमारी तरफ से परिवार के लिए संवेदन है।

श्रीगंगानगर के कोतवाली थाना एसएचओ ने कहा कि 12 वीं मेडिकल साइंस की छात्रा रमनदीप के स्कूल के दूसरे फ्लोर से गिरने के मामले में जांच

जारी है। परिजनों ने स्कूल के प्रिंसिपल कमलेश कटारिया, स्टाफ कृष्ण वर्मा और टीचर किरण के खिलाफ कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज करने की शिकायत दी है। सीसीटीवी खंगाल रहे हैं। छात्रा के पिता विजय कुमार ने शिकायत में बताया कि रमनदीप को ऊंचाई से डर लगता था और वह छत पर भी नहीं जाती थी। उसकी तबीयत कई दिनों से खराब चल रही थी। 8 जनवरी को हमने स्कूल स्टाफ से रिक्वेस्ट की थी कि छात्रा के प्रैक्टिकल के दौरान परिवार के किसी सदस्य को साथ रहने

दिया जाए, लेकिन स्कूल स्टाफ ने मना कर दिया। स्कूल स्टाफ ने कहा कि हमारा सिस्टम आपके हिसाब से नहीं चलेगा। इसके बाद जबरन 11,960 रुपए फीस जमा करवाई गई, जिसमें से 4 हजार की रसीद भी नहीं दी गई।

विजय कुमार ने बताया कि 14 जनवरी को फिजिक्स का पेपर था। पढ़ी देवकी साथ गई, लेकिन रमनदीप को जबरदस्ती एग्जाम देने दूसरी मंजिल पर ले जाया गया, जहां वह बेहोश हो गई। इसके बाद उसे मुश्किल से नीचे लाया गया और दबाई दी गई। इसके बाद फिर से प्रैक्टिकल के लिए वापस ऊपर ले जाने की कोशिश की गई। जब हमने इसका विरोध किया तो प्रिंसिपल ने कहा कि प्रैक्टिकल नहीं दिया तो रिजल्ट टरास होगा, स्कूल की बदनामी होगी। टीसी कटवाकर घर ले जाओ। पिता ने बताया कि 16 जनवरी को फिर से बायोलाॅजी प्रैक्टिकल के लिए फिर दबाव डाला गया। जिसके बाद रमनदीप को तबीयत खराब होने के बावजूद दूसरी

मंजिल पर ले जाया गया। प्रैक्टिकल पूरा कर लैब से निकलते ही रमनदीप को चक्कर आया और वह सीढ़ियों बालकनी से नीचे ग्राउंड फ्लोर पर गिर गई। जिसे पत्नी और भांजे ने देखा और शोर मचाया। रमनदीप को तुरंत अर्पण हॉस्पिटल लेकर जाया गया जहां से उसे सरकारी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने पुलिस को शिकायत दी है। इसमें स्कूल स्टाफ के खिलाफ मामला दर्ज करने की अपील की है। परिजनों का कहना है कि छात्रा की मौत स्कूल स्टाफ की लापरवाही और ज़िद के कारण हुई है। वे लगातार ऊपर ले जाने पर अड़े रहे, जबकि स्वास्थ्य खराब होने की बार-बार जानकारी दी गई थी। छात्रा का शव अभी सरकारी हॉस्पिटल की मोर्चरी में है। अभी तक पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया है। स्कूल में कुल 3 फ्लोर है, दूसरे फ्लोर पर प्रैक्टिकल आयोजित हो रहे थे। लैब से निकलते ही रमनदीप हॉल में आ गिरी।

बीकानेर, (निसं)। सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन, आमजन को डराने के मामले में गैंगस्टर लॉरेंस के खास गुर्गे रितिक बॉक्सर को गिरफ्तार किया है। उसे अजमेर की हाई सिक्वोरिटी जेल से प्राइक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लाया और कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

नयाशहर पुलिस थाने में 9 मार्च, 2023 को टेक्स, जीपस्टी का काम करने वाले वकील को धमकाकर 4 लाख रुपए मांगने और 40,000 रुपए हासिल करने का मुकदमा दर्ज किया गया था। फिरौती की रकम गैंगस्टर लॉरेंस के खास रितिक बॉक्सर के लिए मांगी गई थी। इस मामले की छानबीन में पुलिस सोशल मीडिया हथियारों के प्रदर्शन और गैंग से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी मिली तो एक अन्य एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें रितिक बॉक्सर और नीरज यादव को नामजद किया गया। पुलिस ने नीरज को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था और रितिक

■ रितिक बॉक्सर को अजमेर हाई सिक्वोरिटी जेल से बीकानेर लाई पुलिस

मुकदमे है। जयपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, हरियाणा के पुलिस थानों में उसके खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं।

गलत कमेंट करने पर केस दर्ज : जोधपुर में एक महिला कॉस्टेबल की फोटो पर आपत्तिजनक कमेंट किए जाने का पुलिस में दर्ज हुआ है। पुलिस ने अदालत से मिले इस्तगाम पर आईटी एन्ट की धारा में प्रकरण दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस इस बारे में अंतिम जांच में जुटी है। मंडोर पुलिस ने बताया कि एक महिला कॉस्टेबल ने कोर्ट में अंतिम जांच में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। कोर्ट में पेशी के दौरान क्यूआरटी के हथियारबंद जवान, सदर पुलिस थाने का जाब्ता मौजूद रहा। रितिक पर 20 से ज्यादा मुकदमे रितिक बॉक्सर हाईकोर अलप्राई के है जो गैंगस्टर लॉरेंस बिशोई के लिए काम करता रहा है। उस पर हत्या, जानलेवा हमला, फिरौती, सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन जैसे गंभीर प्रवृत्ति के 20 से ज्यादा

